

बाहर आजा गुफा दिया मालका / बाहर आजा गुढ़ा दिया मालका

बाहर आजा गुढ़ा दिया मालका

बाहर, आजा, गुढ़ा दिया मालका,
गुढ़ा चें, निकल के ॥
में तेरे, दवारे, आ गਈ,
सखीयां चें, निकल के ॥
बाहर, आजा, गुढ़ा दिया...

तेरा, दर ढँड, केहरे दर, जावां,
केहनुं, दिल दा, हाल सुटावां ॥
हुट, आजा, मेर सवारी,
तैनुं, दिल दा, दरद सुटावां ॥
मेरा, बेड़ा, पार लगा दे,
मेरीयां, बांहवां पकड़ के ॥
बाहर, आजा, गुढ़ा दिया...

केही, दिल दा, दरद नां जाटे,
आपटे सी, हे गऐ, बेगाने ।
तेरा, नांअ लैदी, में जोगीआ,
मेनुं, पागल, दुनीयां जाटे ॥
इस, कमली नुं, चरटी, ला लै,
वे गुढ़ा चें, निकल के ॥
बाहर, आजा, गुढ़ा दिया...

दिल, करदा, है वेषी जावां,
तेरे, मुख तें, वारे जावां ।
ढँड, सारे, घुठे जंग नुं,
जिंद, चरटी, तेरे बितावां ॥
नहीं, ढँडना, तेरा दरबार,
वेख, गुढ़ा चें, निकल के ॥
बाहर, आजा, गुढ़ा दिया...
जै बाबे दी

अप्लेटोर- अनिलरामूरतीडेपाल

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/36491/title/bahar-aaja-guffa-deya-malka>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |

